Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 26 मार्च, 2021

ट्यूलिप गार्डन

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर स्थित एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन को आम जनता और पर्यटकों के लिये खोला गया है। श्रीनगर के इस ट्यूलिप गार्डन में इस समय विभिन्न रंगों के लाखों ट्यूलिप फूल मौजूद हैं। विश्व प्रसिद्ध डल झील के किनारों पर ज़बरवान पहाड़ियों की घाटी में स्थित गार्डन में ट्यूलिप के रंग-बिरंगे फूलों का इंद्रधनुष लोगों के आकर्षण का केंद्र बना है। कश्मीर के इस प्रतिष्ठित ट्यूलिप गार्डन में 1.5 मिलियन से अधिक ट्यूलिप पौधे मौजूद हैं। ज़बरवान पहाड़ियों की तलहटी पर स्थित यह एशिया का सबसे बड़ा ट्यूलिप गार्डन है। ट्यूलिप गार्डन में इस वर्ष 64 से अधिक किस्में मौजूद हैं। लगभग 30 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्यूलिप गार्डन को वर्ष 2007 में कश्मीर घाटी में फूलों की खेती और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्थापित गया था। इस गार्डन में ट्यूलिप के अलावा फूलों की कई अन्य प्रजातियाँ जैसे- जलकुंभी, डैफोडिल्स और रेननकुलस आदि भी मौजूद हैं। ट्यूलिप उत्सव एक वार्षिक उत्सव है, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर सरकार द्वारा पर्यटन प्रयासों के एक हिस्से के रूप में बगीचे में फूलों की शृंखला का प्रदर्शन करना है। यह कश्मीर घाटी में वसंत के मौसम की शुरुआत के दौरान आयोजित किया जाता है।

यूएस-इंडिया होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग

हाल ही में भारत और अमेरिका ने साइबर सुरक्षा, आधुनिक प्रौद्योगिकी और अतिवाद जैसे मुद्दों पर केंद्रित 'यूएस-इंडिया होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग' को पुनः शुरू करने की घोषणा की है। 'यूएस-इंडिया होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग' ओबामा प्रशासन द्वारा शुरू की गई एक पहल है और इस प्रकार का पहला डायलॉग मई 2011 में आयोजित किया गया था। वर्ष 2013 में आयोजित दूसरे 'यूएस-इंडिया होमलैंड सिक्योरिटी डायलॉग' के बाद से इस प्रकार के मंत्रिस्तरीय संवाद का आयोजन नहीं किया गया है, हालाँकि संवाद के हिस्से के रूप में स्थापित कार्य समूह विभिन्न विषयों पर कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन के शासन की शुरुआत के बाद से ही भारत और अमेरिका के संबंधों में लगातार सकारात्मक वृद्धि देखने को मिल रही है। ज्ञात हो कि हाल ही में क्वाड देशों (अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया) के पहले शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था। उभरती हुई प्रौद्योगिकी पर चार क्वाड देशों के बीच सहयोग में बढ़ोतरी पहले क्वाड शिखर सम्मेलन का प्राथमिक विषय रहा।

भारतीय तटरक्षक जहाज़ 'वज्र'

भारतीय तटरक्षक जहाज़ 'वज्र' को चेन्नई में औपचारिक रूप से सेवा में शामिल कर लिया गया है। यह तटरक्षक जहाज़ लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड द्वारा निर्मित सात ऑफशोर पेट्रोल वेसल (OPV) की शृंखला में छठे स्थान पर है। 98 मीटर के इस तटरक्षक जहाज़ को अत्याधुनिक नेविगेशन एवं संचार उपकरण, सेंसर और मशीनरी आदि से सुसज्जित किया गया है। यह जहाज़ अत्याधुनिक सुविधा से सुसज्जित है और इसे एक ट्विन-इंजन हेलीकॉप्टर तथा चार तीव्र गति वाली नौकाओं को ले जाने के लिये डिज़ाइन किया गया है। जहाज़ का उपयोग खोज एवं बचाव, कानून प्रवर्तन और समुद्री गश्त में भी किया जा सकता है। यह जहाज़ समुद्र में तेल रिसाव की स्थिति में प्रदूषण प्रतिक्रिया उपकरण ले जाने में भी सक्षम है। 'वज्र' तटरक्षक जहाज़ को मुख्य तौर पर भारतीय तटीय क्षेत्र में अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) की निगरानी के लिये नियुक्त किया जाएगा। विदित हो कि अनन्य आर्थिक क्षेत्र, किसी देश की बेसलाइन से 200 नॉटिकल मील की दूरी तक फैला होता है। इसमें तटीय देशों को सभी प्राकृतिक संसाधनों की खोज, दोहन, संरक्षण और प्रबंधन का संप्रभु अधिकार प्राप्त होता है।

डॉ. विवेक मूर्ति

भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर विवेक मूर्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के सर्जन जनरल के रूप में नियुक्त किया गया है। विदित हो कि डॉ. विवेक मूर्ति इससे पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के दौरान भी सर्जन जनरल का पदभार संभाल चुके हैं, हालाँकि उन्हें वर्ष 2017 में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल के दौरान पद से हटा दिया गया था। डॉ. विवेक मूर्ति पब्लिक हेल्थ सर्विस कमीशन कोर में एक प्रतिष्ठित चिकित्सक और पूर्व वाइस एडमिरल रह चुके हैं। सर्जन जनरल के रूप में डॉ. विवेक मूर्ति का प्राथमिक कार्य अमेरिका में कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव को सीमित करना होगा। 10 जुलाई, 1977 को हडर्सफील्ड (यॉर्कशायर) में जन्मे डॉ. मूर्ति का पालन-पोषण फ्लोरिडा के मियामी में हुआ था। इससे पूर्व नवंबर 2020 में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने डॉ. विवेक मूर्ति को अपने कोविड-19 सलाहकार बोर्ड का सह-अध्यक्ष बनाने की घोषणा की थी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-26-march-2021